Sukhdev - 11 September

Q- Make a comparative review of the agrarian reforms of the Alau-ud-Din Khalji and Sher Shah Suri. [20 M]

उत्तर- अलाउद्दीन व शेरशाह के कृषि राजस्व सुधारों को निम्न बिन्दुओं के तहत स्पष्ट किया जा सकता है -

1- अलाउद्दीन के कृषि सुधारों का उद्देश्य मूलतः शासक की शक्ति बढ़ाना, सेना की आवश्यकता था जबकि शेरशाह के कृषि सुधारों का उद्देश्य मूलतः मानवीय होने के साथ राजनैतिक भी था।

2- दोनों ने यद्यपि फसल की बंटाई के स्थान पर पैमाइश को आधार बनाया, किन्तु शेरशाह के प्रयास अधिक व्यापक व दूरदर्शी थे। इसके तहत - उसने पारंपरिक प्रणाली में कुछ सुधार किये -

a- जहाँ अलाउद्दीन ने उपज के अनुमान के लिए एक बीघे को बीसवें भाग की उपज को मान्य माना था वहीं शेरशाह ने इसके लिए भूमि को तीन वर्गों में बांटा - अच्छी, खराब व मध्यम तथा उसके आधार पर औसत उपज का हिसाब लगाया।

b- जहाँ अलाउद्दीन ने कुल उपज का आधा भू राजस्व के रूप में लिया।

Scanned by CamScanner

वहीं शेरशाह द्वारा इसे एक तिहाई निर्धारित किया गया।

c- शेरशाह के समय पैमाइश के समय ही फसल दर (राय) तय की जाती थी, जिससे राज्य के हिस्से का निर्धारण होता था

d- अलाउद्दीन के विपरीत शेरशाह ने स्थानीय दरों पर उपज का नकदी में निर्धारण किया। इसमें राजस्व की वसूली जिंस या नकदी दोनों में होती थी, हालांकि अलाउद्दीन के समान शेरशाह ने भी नकदी पर जोर दिया

e- शेरशाह ने पैमाइश करने वाले कर्मचारी का हिस्सा भी निर्धारित किया

f- शेरशाह के काल में प्रत्येक वर्ष खेतों की पैमाइश की जाती थी तथा अकाल से बचाव के लिए उपकर भी लगाया गया था

3- अलाउद्दीन व शेरशाह दोनों किसानों को मुकद्दम, खूत जैसे मध्यवर्ती वर्गों के शोषण से बचाने के उपाय किये, जहाँ अलाउद्दीन ने इन्हें भी पैमाइश के दायरे में लाया गया वहीं शेरशाह ने इसके लिए किसानों को पट्टा देने पर बल दिया,

4- अलाउद्दीन द्वारा राजस्व वसूली के लिए बड़े पैमाने पर अधिकारियों की नियुक्ति के उदाहरण भी मिलते हैं,

Scanned by CamScanner

उल्लेखनीय है कि अलाउद्दीन के कृषि सुधारों का जनता पर सीधा क्या प्रभाव पड़ा, इसको जानने के लिए पुराने भू-राजस्व आंकड़ों का अभाव है तथापि उसकी ही नीति में वह आदर्श कायम किया था जिसे शेरशाह ने अनुसरित किया। अलाउद्दीन की खूत, मुकद्दम, चौधरी की शक्ति सीमित करने की नीति से किसानों को लाभ हुआ हालांकि उसके बाजार सुधारों से उनको हानि भी उठानी पड़ी।

जहाँ तक शेरशाह का प्रश्न है, शेरशाह के सुधारों से भी मध्यवर्ती वर्ग की शक्तिशाली स्थिति अधिक कम नहीं हुई, साथ ही इसके सुधार पूरे भारत में लागू नहीं थे। यही कारण है कि आगे चलकर अकबर द्वारा इनको और व्यापक रूप से लागू किया गया।

Scanned by CamScanner